>

Title: Need to check the menace of wild animals destroying standing crops in various parts of the country and delete the names of Neelgai, Wild Boars and Bison from the list of protected animals.

श्री राजू शेट्टी (हातकंगले): अध्यक्ष महोदया, भारतीय किसान पहले से ही अभूतपूर्व संकट से गुजर रहे हैं। वे अपनी खेती पूरी तरह नहीं कर पा रहे हैं। उन्हें लागत मूल्य भी नहीं मिल रहा है। उस पर आज जंगल में रहने वाले जंगली जानवर, खासकर पहाड़ी इलाकों और संरक्षित जंगलों से सूअर, नीलगाय, रानगवा आदि जंगलों से बाहर आकर खेतों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उनकी स्थिति चौपट है। एक तरफ हम ग्लोबल वार्मिंग से बचाने के लिए हरियाली बढ़ाने की बात कर रहे हैं।

प्रकृति का अटूट हिस्सा होने वाला किसान इस स्थिति से गुजर रहा है, क्योंकि जंगल से बार-बार जंगली जानवर बाहर आकर किसानों का बेहद नुकसान कर रहे हैं। किसानों को जो मुआवजा मिलना चाहिए, वह भी नहीं मिल रहा है। इस तरह से किसानों को खेती करना मुश्किल हो गया है। जंगलों से जंगली जानवरों का बाहर आने का कारण यह है कि उन्हें वहां चारा और पानी नहीं मिलता। सरकार को इस संबंध में कोई उपाय करना चाहिए, जिससे जंगल का जानवर जंगल में ही रहे। वहां बम्बू, ग्रास या फॉडर की सुविधा उपलब्ध हो। अगर वहां उनके लिए पीने के पानी की भी उपलब्धि हो जाती है, तो वे जंगली जानवर जंगल से बाहर नहीं आयेंगे। इस बारे में सरकार को तुंत कोई उपाय करना चाहिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

श्री राजू शेट्टी : ठीक है।

अध्यक्ष महोदया : आप सब बैठ जाइये। हम सबको बोलने के लिए बुला रहे हैं। अगर आपका नोटिस है, तो हम आपको बोलने के लिए बुलायेंगे।

श्री हंसराज गं. अहीर जी, आपने दो विषयों पर बोलने के लिए नोटिस दिया है, लेकिन आप केवल एक विषय पर ही बोलिये।